भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
वर्सोवा, मुंबई – 400061

हिंदी चेतना मास – 2025 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में दिनांक 15 अक्तूबर 2025 को हिंदी चेतना मास – 2025 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध साहित्यकार एवं गुरु नानाक खालसा महाविद्यालय, मुंबई के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. मृगेंद्र राय मुख्य अतिथि थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि हिंदी के विकास में हिंदीतर भाषियों का योगदान बहुत बड़ा है। हिंदी एक उदार भाषा है, जो बोलने का प्रयास करता है, उसे अपने सीने से लगा लेती है। हिंदी में अनेक भाषाओं के शब्द समाहित हैं। हिंदी के प्रभाव की अगर बात कहें तो विश्व के 39 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिंदी में कार्य सिर्फ़ एक महीने नहीं, वर्ष भर करते रहें। हिंदी के साथ-साथ सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि कई भाषाएँ, बोलने वालों की कमी के कारण लुप्त हो गई हैं और कई भाषाएँ लुप्त होने के कगार पर हैं। इसलिए भाषा के संदर्भ में आयोजित कार्यक्रम का महत्व अधिक बढ़ जाता है।

निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि यह बात सही है कि भारत में कई लोग हिंदी जानते हैं और आपसे में हिंदी में बातें करते हैं। लेकिन अपने कार्यालयीन कार्य में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना भी ज़रूरी है, तभी वास्तविक रूप से राजभाषा होने का गौरव हिंदी को प्राप्त होगा। हमें कई भाषाएँ सीखनी चाहिए, क्योंकि विभिन्न भाषाओं के माध्यम से उन तमाम संस्कृतियों से भी हम परिचित हो जाएँगे। अंग्रेज़ों ने दो सौ साल भारत पर शासन किया और चले गए, लेकिन अंग्रेज़ी छोड़ गए और हम उस पर अधिकाधिक निर्भर हो रहे हैं। हिंदी के उत्तरोत्तर विकास के लिए हमें हिंदी को प्रौद्योगिकी से जोड़ना चाहिए, क्योंकि आजकल लोग सोशल मीडिया के विभिन्न प्लाटफार्मों का इस्तेमाल निरंतर करते हैं और लगभग 40-45% लोग सोशल मीडिया में हिंदी संबंधी गतिविधियों को देखते हैं। हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए इस विधा को अपनाना बहुत ज़रूरी है। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूँ और आग्रह करता हूँ कि हिंदी में किए जा रहे अपने काम में कम से कम 5% की बढ़ोत्तरी कीजिए।

इस अवसर पर हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए गए। साथ ही वर्ष 2024-25 के दौरान हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले विभाग एवं अनुभाग के लिए **'राजभाषा चल वैजयंति'** हिंदी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले वैज्ञानिक के लिए **'हिंदी रत्न पुरस्कार'** तथा मूल रूप से हिंदी में कार्य करने के लिए लागू की गई प्रोत्साहन योजना में भाग ले रहे प्रतिभागियों के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थान की राजभाषा गतिविधियों के संकलन का विमोचन भी किया गया। श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने अतिथियों का स्वागत किया और श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने आभार प्रकट किया।

HINDI CHETNA MONTH 2025 - VALEDICTORY AND PRIZE DISTRIBUTION CEREMONY

The ICAR-CIFE, Mumbai celebrated Hindi Chetna Month during 15th September to 15th October, 2025. The valedictory and prize distribution ceremony was held on 15th October, 2025 under the chairmanship of the Director, Dr. N.P. Sahu, with renowned litterateur and Head of the Hindi Department at Guru Nanak Khalsa College, Mumbai, Dr. Mrigendra Rai as the Chief Guest.

The chief guest stated that non-Hindi people have made a significant contribution to the development of Hindi. Hindi is a generous language that embraces anyone who attempts to speak it. Hindi contains words from many languages. Speaking on Hindi's influence, he told that Hindi is taught in 39 universities globally. He urged that work in Hindi should last not just for a month, but throughout the year. Along with Hindi, all languages should be respected, as many languages have become extinct due to lack of speakers, and many are on the verge of extinction. Therefore, the significance of a program organized in the context of language is even greater.

Director Dr. N.P. Sahu said that it is true that many people in India know Hindi and converse with each other in Hindi. However, it is also important to use Hindi more often in our official work, only then will Hindi truly achieve the honour of being the Official Language. We should learn many languages, because through different languages we will become familiar with various cultures. The British ruled India for two hundred years and then left, but they left behind English here, and we are becoming increasingly dependent on it. For the sustainable development of Hindi, we must integrate Hindi with technology, as people nowadays constantly use various social media platforms, and approximately 40-45% of people see Hindi-related activities on social media. Adopting this medium is crucial to promoting Hindi. I congratulate all the winners and urge them to increase their work in Hindi by at least 5%.

On this occasion, awards and certificates were presented by the Chief Guest to the winners of various competitions held during the Hindi Chetna month. Besides, **'Rajbhasha Chal Vaijayanti'** awards were also given to the division and section for doing maximum work in Hindi during the year 2024-25; **'Hindi Ratna Award'** for the scientist doing the best work in Hindi, and to the participants taking part in the incentive scheme implemented for working originally in Hindi. On this occasion, a compilation of the Institute's Official Language activities was also released. Shri Jagdeesan A.K., Joint Director (OL) welcomed the guests and Shri Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer proposed vote of thanks.

ICAR-CIFE
Mumbai

हिन्दी चेतना मास
ICAR-CIFE
Mumbai